जय जय पितर जी महाराज,
मैं शरण पड़यों हूँ थारी,
शरण पड़यो हूँ थारी देवा,
रखियो लाज हमारी,
जय जय पितृ जी महाराज,
मैं शरण पड़यों हूँ थारी।।

आप ही रक्षक आप ही दाता,
आप ही खेवनहारे,
मैं मूरख हूँ कछु नहिं जाणूं,
आप ही हो रखवारे,
जय जय पितृ जी महाराज,
मैं शरण पड़यों हूँ थारी।।

आप खड़े हैं हरदम हर घड़ी,
करने मेरी रखवारी।
हम सब जन हैं शरण आपकी,
है ये अरज गुजारी,
जय जय पितृ जी महाराज,
मैं शरण पड़यों हूँ थारी।।

देश और परदेश सब जगह,
आप ही करो सहाई,
काम पड़े पर नाम आपको,

लगे बहुत सुखदाई,
जय जय पितृ जी महाराज,
मैं शरण पड़यों हूँ थारी।।

भक्त सभी हैं शरण आपकी,
अपने सहित परिवार,
रक्षा करो आप ही सबकी,
रटूँ मैं बारम्बार,
जय जय पितृ जी महाराज,
मैं शरण पड़यों हूँ थारी।।

जय जय पितर जी महाराज,
मैं शरण पड़यों हूँ थारी,
शरण पड़यो हूँ थारी देवा,
रखियो लाज हमारी,
जय जय पितृ जी महाराज,
मैं शरण पड़यों हूँ थारी।।

प्रेषक
पवन शर्मा निर्मल
9314462654

Source: https://www.bharattemples.com/jai-jai-pitar-ji-maharaj-aarti/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw